बलौंगी की एकता कॉलोनी में पीजी की भरमार; एक मरले में 4 मंजिला निर्माण, गलियां जाम; एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की राह भी मुश्किल

▪ गमाडा और नगर निगम के बीच अधिकार क्षेत्र का मामला अटका, बढ़ते निर्माण और पीजी से स्थानीय लोग परेशान

▪ पार्षद के पति ने पहले भी बिल्डिंग बायलॉज की शिकायत की, सीनियर डिप्टी मेयर बोले- निर्माण रुकवाएंगे

सागर पाहवा | मोहाली
समर न्यूज

बलौंगी की एकता कॉलोनी में पीजी की बढ़ती संख्या और बहुमंजिला निर्माण को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। कॉलोनी में छोटे-छोटे प्लॉटों पर कई मंजिला निर्माण किए जाने की बात सामने आ रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, एक मरले के प्लॉट पर चार मंजिला पीजी तक बनाया जा रहा है। पीजी बढ़ने के साथ वाहनों की संख्या भी बढ़ रही है, जिससे संकरी गलियों में ट्रैफिक और पार्किंग की समस्या गंभीर होती जा रही है। मामले को लेकर जब स्थानीय प्रतिनिधियों से बात की गई तो उन्होंने भी निर्माण और पीजी व्यवस्था पर चिंता जताई। वहीं नगर निगम और गमाडा के अधिकार क्षेत्र को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं होने से कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

▪ पीजी बढ़े तो गलियों में बढ़ गया वाहनों का दबावः एकता कॉलोनी में पीजी की संख्या बढ़ने का सीधा असर ट्रैफिक व्यवस्था पर पड़ रहा है। पीजी में रहने वाले लोगों के दोपहिया और चारपहिया वाहन बड़ी संख्या में गलियों में खड़े रहते हैं। कई जगह सड़क किनारे वाहन खड़े होने के कारण रास्ता संकरा हो जाता है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि सामान्य दिनों में भी आने-जाने में परेशानी होती है। ऐसे में यदि किसी समय कोई इमरजेंसी हो जाए तो स्थिति और गंभीर हो सकती है।

▪ एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की राह मुश्किल होने की चिंताः कॉलोनी में सबसे बड़ी चिंता आपातकालीन सेवाओं को लेकर है। यदि किसी मरीज को तत्काल अस्पताल ले जाने के लिए एंबुलेंस को एकता कॉलोनी के अंदर आना पड़े और रास्ते में वाहन खड़े हों तो एंबुलेंस को मौके तक पहुंचने में देरी हो सकती है। गंभीर मरीज के मामले में कुछ मिनट की देरी भी जानलेवा साबित हो सकती है। इसी तरह आग लगने की स्थिति में फायर ब्रिगेड के वाहन के लिए संकरी और वाहनों से भरी गलियों से मौके तक पहुंचना चुनौती बन सकता है।

▪ एक मरले में चार मंजिल, निर्माण नियमों पर सवालः कॉलोनी में एक मरले के प्लॉट पर चार मंजिला पीजी निर्माण किए जाने की बात सामने आने के बाद भवन निर्माण नियमों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इतने छोटे प्लॉट पर चार मंजिल के निर्माण में कवर्ड एरिया, पार्किंग, स्ट्रक्चरल सेफ्टी, निकासी मार्ग और फायर सेफ्टी जैसे पहलुओं की जांच जरूरी है। स्थानीय लोगों का सवाल है कि यदि निर्माण नियमों के अनुसार नहीं है तो निर्माण शुरू होते समय ही संबंधित विभाग ने कार्रवाई क्यों नहीं की?

पार्षद के पति बोले- पहले भी कर चुके हैं बिल्डिंग बायलॉज की शिकायत



इस मामले में वार्ड नंबर 49 की पार्षद बिमलेश जी के पति समा जगबीर सिंह से बात की गई। उन्होंने कहा कि बिल्डिंग बायलॉज के उल्लंघन को लेकर नगर निगम में पहले भी शिकायत की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि यदि अवैध तरीके से पीजी और बहुमंजिला निर्माण नहीं होंगे तो बिलोंगी में चोरी, लूटपाट और अन्य आपराधिक घटनाओं में भी कमी आ सकती है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई जगह कैंटिलीवर के ऊपर भी करीब चार-चार फुट की चिनाई कर निर्माण को आगे बढ़ाया गया है। उनका कहना है कि इस तरह के निर्माणों की जांच होनी चाहिए और यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो संबंधित विभाग को कार्रवाई करनी चाहिए।











सीनियर डिप्टी मेयर बोले- पुलिस और बिल्डिंग ब्रांच को कहकर रुकवाएंगे निर्माण



मामले को लेकर जब सीनियर डिप्टी मेयर आरपी शर्मा से बात की गई तो उन्होंने कहा कि वह इस संबंध में तुरंत पुलिस को निर्माण रुकवाने के लिए कहेंगे। साथ ही नगर निगम की बिल्डिंग ब्रांच के अधिकारियों को भी कार्रवाई करने और निर्माण रुकवाने के निर्देश देंगे। सीनियर डिप्टी मेयर ने कहा कि रिहायशी इलाके में इस तरह पीजी के लिए बहुमंजिला निर्माण होना सरासर गलत है। इससे आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि मामले को गंभीरता से लिया जाएगा और संबंधित अधिकारियों से कार्रवाई करवाई जाएगी।

गमाडा और नगर निगम के बीच जिम्मेदारी का सवाल :

अवैध निर्माणों को लेकर सबसे बड़ा सवाल विभागीय जिम्मेदारी का है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब नगर निगम से कार्रवाई को लेकर संपर्क किया जाता है तो निगम की ओर से क्षेत्र से संबंधित नोटिफिकेशन नहीं होने की बात कही जाती है। दूसरी ओर, जिम्मेदारी गमाडा की ओर होने की बात सामने आती है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब दोनों विभागों के बीच अधिकार क्षेत्र को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है तो निर्माणों पर कार्रवाई कौन करेगा? स्थानीय लोगों का आरोप है कि इसी असमंजस का फायदा उठाकर निर्माण लगातार बढ़ते जा रहे हैं और बाद में इन्हीं भवनों में पीजी संचालित किए जा रहे हैं।

सिर्फ निर्माण नहीं, सुरक्षा का भी मुद्दा

मामला केवल भवन निर्माण की अनुमति तक सीमित नहीं है। बड़ी संख्या में लोगों को पीजी के रूप में रखने पर पार्किंग, सीवरेज, पानी, बिजली लोड, फायर सेफ्टी और इमरजेंसी एग्जिट जैसी व्यवस्थाओं की भी जांच जरूरी है। लोगों का कहना है कि यदि रास्ते इसी तरह वाहनों से घिरे रहे तो किसी आपात स्थिति में एंबुलेंस या फायर ब्रिगेड को कॉलोनी के अंदर पहुंचने में महत्वपूर्ण समय लग सकता है।

प्रशासन कराए संयुक्त सर्वे, तय हो जिम्मेदारी

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से एकता कॉलोनी का संयुक्त सर्वे करवाने की मांग की है। इसमें गमाडा, नगर निगम, बिल्डिंग ब्रांच और संबंधित विभागों के अधिकारियों को शामिल कर निर्माणों और पीजी की जांच की जाए। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि क्षेत्र में भवन निर्माण और पीजी से संबंधित कार्रवाई की जिम्मेदारी किस विभाग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो बढ़ते निर्माण और पीजी भविष्य में कॉलोनी की सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं के लिए बड़ी समस्या बन सकते हैं। लोगों की मांग है कि उनकी समस्याओं को स्थायी समाधान किया जाए।

गांव त्रिवेदी में कैंप में कूड़े का पहाड़, प्रशासन की अनदेखी ने लोगों की जिंदगी बनाई नर्क

मिशन क्लीन पंजाब और स्वच्छ भारत अभियान का डेराबस्सी के इस गांव में दूर-दूर तक नामो निशान नहीं

▪ पंचायत ने 1 महीने पहले डिप्टी कमिश्नर मोहाली को लिखा पत्र कोई सुनवाई नहीं

गुरमीत सिंह | डेराबस्सी
समर न्यूज

गांव त्रिवेदी कैंप के पास सड़क किनारे लगे कूड़े के बड़े ढेर ने अब डंपिंग ग्राउंड का रूप ले लिया है। कूड़ा उठाने का दावा करने वाली एक निजी कंपनी के पीछे हटने के बाद हालात लगातार बदतर होते जा रहे हैं।

गांव के मुख्य बाजार की एंट्री पर जमा कूड़े के कारण स्थानीय लोगों और दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कूड़े के आसपास आवारा पशुओं का जमावड़ा लगा रहता है, जबकि बारिश के बाद गंदगी सड़क तक फैल गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रशासन की ओर से बार-बार ध्यान दिलाने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा। कूड़े से उठती दुर्गंध के कारण लोगों का सांस लेना मुश्किल हो गया है और बीमारी फैलने का डर बना हुआ है। यही रास्ता महर्षि मार्कंडेय मंदिर की ओर जाता है, जबकि इसके नजदीक सरकारी स्कूल भी स्थित है। करीब एक महीने पहले ग्राम पंचायत ने डंपिंग ग्राउंड की सफाई करवाने और इस जगह को कार पार्किंग तथा हराभरा पार्क विकसित करने की मांग को लेकर मोहाली के डिप्टी कमिश्नर को पत्र लिखा था । पंचायत ने बताया था कि करीब आठ हजार की आबादी वाले गांव के पास लंबे समय से कूड़ा जमा है। आसपास के गांवों का कूड़ा भी यहां डाले जाने से समस्या और गंभीर होती जा रही है।

पंचायत के मुताबिक डंपिंग ग्राउंड होलसेल मार्केट के साथ लगता है, जहां पार्किंग की भी बड़ी समस्या है। यदि प्रशासन कूड़ा हटाकर इस जगह को पार्किंग और पार्क के रूप में विकसित करे तो लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है।

इसके बावजूद एक महीने बाद भी कार्रवाई नहीं होने से पंचायत और ग्रामीणों में रोष है। सरपंच रानी, पंच रवि कुमार, तरविंदर सिंह, नीरज रानी सहित पंचायत सदस्यों ने प्रशासन से सवाल किया है कि आखिर लोगों को इस गंदगी से कब निजात मिलेगी। पंचायत ने प्रशासन से जल्द कूड़ा उठवाकर सफाई करवाने और समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है।





(1) गांव त्रिवेदी कैंप के बाहर गंदगी का ढेर। (2) डंपिंग ग्राउंड में बदला कूड़े का ढेर जिसने लोगों की जिंदगी नर्क बना दी है। - समर न्यूज

जिला ट्रेडर्स कमीशन की बैठक में 54 मामलों की समीक्षा

समर न्यूज | मोहाली

जिला ट्रेडर्स कमीशन की बैठक सहायक कमिश्नर जनरल डॉ. अंकिता कांसल और कमीशन के चेयरमैन रणजीत पाल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में व्यापारियों की समस्याओं तथा उनके समाधान के लिए की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की गई।

विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 54 लंबित मामलों पर चर्चा हुई। इनमें 29 मामले स्थानीय निकाय विभाग से संबंधित थे। पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड से जुड़े मामलों के अलावा जल निकासी, जलभराव, हरित पट्टियों, बाजारों में यातायात बाधित कर रहे बिजली के खंभों और अन्य बुनियादी सुविधाओं के मुद्दे भी उठाए गए।

डॉ. अंकिता कांसल ने अधिकारियों को अपने लॉगिन दोबारा जांचने और लंबित आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने के निर्देश दिए।

नीलामी से हुई आय से मोहाली में बुनियादी विकास करवाए गमाडाः कुलजीत सिंह बेदी

गुरशरण सिंह/ सुरिंदर सिंह अंकुश
समर न्यूज | मोहाली

मोहाली नगर निगम के पूर्व डिप्टी मेयर कुलजीत सिंह बेदी ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान से मांग की है कि गमाडा की ओर से 21 और 22 अगस्त को की गई संपत्तियों की नीलामी में रिजर्व कीमत से अधिक प्राप्त हुई राशि को मोहाली शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए खर्च किया जाए।

बेदी ने कहा कि गमाडा ने 36 में से 27 संपत्तियों की नीलामी कर कुल 5391 करोड़ रुपये की आय अर्जित की, जबकि इन संपत्तियों की कुल रिजर्व कीमत 3872 करोड़ रुपये थी। इस तरह रिजर्व कीमत से लगभग 1519 करोड़ रुपये अधिक की बोली प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि यह अतिरिक्त राशि मोहाली की बढ़ती अहमियत, जमीन की कीमत और शहर की व्यावसायिक संभावनाओं को दर्शाती है। कुलजीत सिंह बेदी ने कहा कि यह अतिरिक्त आय एक तरह से मोहाली शहर की जमीन और उसकी व्यावसायिक क्षमता के कारण प्राप्त हुई है। इसलिए सरकार को कम से कम रिजर्व कीमत से ऊपर मिली पूरी राशि को मोहाली के विकास के लिए विशेष रूप से निर्धारित करना चाहिए।



उन्होंने कहा कि मोहाली तेजी से विस्तार कर रहा है। नई रिहायशी योजनाओं, व्यावसायिक परियोजनाओं और बड़े संस्थानों के आने से शहर में ट्रैफिक का दबाव लगातार बढ़ रहा है। कई प्रमुख सड़कों पर सुबह और शाम के समय लंबे जाम लगते हैं, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

बेदी ने मांग की कि शहर में जहां भी ट्रैफिक जाम की समस्या है, वहां आधुनिक योजना के तहत फ्लाईओवर, अंडरपास, ओवरब्रिज और इंटरचेंज बनाए जाएं। इसके साथ ही प्रमुख चौराहों और अधिक भीड़ वाले इलाकों के लिए वैज्ञानिक ट्रैफिक प्रबंधन योजना तैयार की जाए, ताकि आने वाले वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए मोहाली को आधुनिक शहर के रूप में विकसित किया जा सके। मोहाली की कई सड़कें आज भी बिजली के खंभों और ऊपर से गुजर रही तारों के कारण प्रभावित हैं। सरकार को मुख्य सड़कों पर बिजली और अन्य यूटिलिटी सेवाओं को अंडरग्राउंड करने की योजना लागू करनी चाहिए।

युवा उद्यमियों से रूबरू हुए मनीष सिसोदिया

सागर पाहवा | मोहाली
समर न्यूज

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आज रयात बाहरा विश्वविद्यालय (आरबीयू) में युवा उद्यमियों और व्यवसायिक क्षेत्र के विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। उन्होंने उद्यमिता, नवाचार, नेतृत्व तथा देश के भविष्य को आकार देने में युवाओं की भूमिका को लेकर अपने विचार साझा किए। यह विशेष संवाद विश्वविद्यालय के उद्यमिता प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. सिम्मी प्रकाश, डायरेक्टर उद्यमिता प्रकोष्ठ ने बताया कि संवाद का उद्देश्य युवाओं को उद्यमिता, नवाचार और नेतृत्व के क्षेत्रों में प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान युवा उद्यमियों को अपने विचार साझा करने तथा व्यावसायिक उपक्रम शुरू करने और उन्हें सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के दौरान आने वाली चुनौतियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी एवं मार्गदर्शन प्राप्त करने का अवसर मिला।



बुधवार तक सड़कों के गड्ढे भरने और पैचवर्क पूरा करने के निर्देश

मुकुल शर्मा | पंचकूला
समर न्यूज

उपायुक्त सतपाल शर्मा ने पीडब्ल्यूडी बीएंडआर, पीएमडीएम, एचएसवीपी, नगर निगम और एचएसएएमबी के अधिकारियों को बुधवार तक अपने क्षेत्रों में सड़कों के गड्ढे भरने और पैचवर्क का कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। लघु सचिवालय में आयोजित बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिलावासियों से प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की।

जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन मोहाली को स्थायी खेल मैदान आवंटित किया जाए : पार्षद धनोआ

गुरशरण सिंह | मोहाली
समर न्यूज

वार्ड नंबर 13 की पार्षद कुलदीप कौर धनोआ ने नगर निगम हाउस में मेयर को दिए मांग पत्र में जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन मोहाली को स्थायी खेल मैदान आवंटित करने की मांग की है।

धनोआ ने कहा कि जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन पिछले करीब 35 वर्षों से मोहाली और आसपास के क्षेत्रों के बच्चों व युवाओं को एथलेटिक्स से जोड़ने के लिए लगातार काम कर रही है। कोच स्वर्ण सिंह की टीम, जिसमें शहर और आसपास के सैकड़ों खेल प्रेमी शामिल हैं, पूरी मेहनत और लगन के साथ बच्चों को खेल प्रशिक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन द्वारा तैयार किए गए कई युवा खिलाड़ियों ने एथलेटिक्स के क्षेत्र में मोहाली और पंजाब का नाम रोशन किया है। इन खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय, एशियाई और राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। सैकड़ों बच्चे सुबह-शाम एसोसिएशन की देखरेख में अलग-अलग स्थानों पर अपने स्तर पर तैयार किए गए अस्थायी मैदानों में अभ्यास करते हैं।



धनोआ ने कहा कि इतनी लंबी और शानदार सेवा के बावजूद एसोसिएशन के पास आज तक अपना कोई स्थायी खेल मैदान नहीं है।

उन्होंने कहा कि अब तक की उपलब्धियों को देखते हुए सेक्टर-78 में बने सिंथेटिक ट्रैक ग्राउंड को जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन को स्थायी रूप से देने पर विचार किया जाए। धनोआ ने कहा कि इससे मोहाली में एथलेटिक्स को और मजबूती मिलेगी।

10 वर्षों से निझा यात्रा में शामिल भक्तों को किया गया सम्मानित

सुरिंदर सिंह अंकुश | चंडीगढ़
समर न्यूज



गुग्गा जाहरवीर शोभायात्रा कमेटी के प्रधान संदीप कुमार ने पिछले 10 वर्षों से निझा यात्रा में श्रद्धा और भक्ति के साथ लगातार शामिल हो रहे भक्तों को सम्मानित किया।

सम्मान प्राप्त करने वाले भक्तों में इंदल भगत के बेटे देव वैद, बिरम पाल, सिमरन भगतनी, अमित भगत, राज अटवाल उर्फ भिंडी, बंटी भगत, सुरिंदर, चिंकी, वाशु, मोनू भगत, श्रीपाल, धर्मवीर और गोली शामिल रहे। कमेटी प्रधान संदीप कुमार ने सभी भक्तों की धार्मिक आस्था, सेवा भावना और पिछले 10 वर्षों से निझा यात्रा में उनकी निरंतर भागीदारी की सराहना की। उन्होंने बताया कि बागड़ से लौटने के बाद दो विशाल निझा रातों का आयोजन किया जाएगा।

पहली निझा रात 12 सितंबर को रामदरबार स्थित बंटी भगत के निवास पर होगी। दूसरी निझा रात का आयोजन 18 सितंबर को बापूधाम स्थित इंदल भगत के निवास पर किया जाएगा। इन धार्मिक कार्यक्रमों में पांच निझे विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

बरसाती नाले में डूबी इनोवा, एसएसएफ ने तत्परता से बचाई तीन लोगों की जान

समर न्यूज | ज़ीरकपुर

ज़ीरकपुर के पास रामपुरा से छतबीड़ जाने वाले रास्ते पर बरसाती नाले के तेज बहाव में एक इनोवा कार फंसकर डूब गई। हादसे के समय कार में तीन लोग सवार थे। सड़क सुरक्षा फोर्स की तत्परता से तीनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

बारिश के कारण नाले में पानी का बहाव अचानक तेज हो गया था। कार को पानी में डूबता देखकर मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही सड़क सुरक्षा फोर्स की रूट 90302 और 90301 की टीमें मौके पर पहुंचीं तथा बचाव अभियान शुरू किया। तेज बहाव के बीच जवानों ने कड़ी मशक्कत के बाद कार में फंसे तीनों लोगों को बाहर निकाला। बचाव के बाद एक व्यक्ति को सुरक्षित उसके घर पहुंचाया गया, जबकि दो लोगों को एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल भेजा गया। हादसे के दौरान कार में रखा काफी सामान पानी में बह गया। बचाव अभियान के दौरान एसएसएफ टीम को एक आईफोन और 25 हजार रुपये नकद मिले। जवानों ने बरामद मोबाइल और नकदी सुरक्षित रूप से संबंधित व्यक्ति को सौंप दी।



पर्व

बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी बेहतर प्रबंधन का उदाहरणः डॉ. गुरप्रीत कौर मान

जसवंत कौर की देखरेख में मोहाली में 'तियां तीज दियां' उत्सव

सागर पाहवा | मोहाली
समर न्यूज







विधायक कुलवंत सिंह की पत्नी जसवंत कौर की अगुआई में आयोजित 'तियां तीज दियां' कार्यक्रम में डॉ. गुरप्रीत कौर मान, जसवंत कौर एवं अन्य अतिथि। - समर न्यूज

मोहाली में विधायक कुलवंत सिंह की पत्नी जसवंत कौर की देखरेख में 'तियां तीज दियां' उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और गिद्दा, बोलियों तथा लोकगीतों के माध्यम से पंजाबी संस्कृति के रंग बिखेरे।

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की पत्नी डॉ. गुरप्रीत कौर मान ने कहा कि अगस्त में आयोजित कार्यक्रमों में यह अब तक के सबसे बड़े आयोजनों में से एक है। इतनी अधिक संख्या में महिलाओं की भागीदारी योजनाबद्ध प्रबंधन का बेहतरीन उदाहरण है। उन्होंने कहा कि महिलाओं का सज-धजकर उत्सव में पहुंचना और सामूहिक रूप से खुशियां मनाना समाज के लिए गर्व की बात है। डॉ. गुरप्रीत कौर मान ने प्रदेश सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं को आर्थिक सहायता देने के साथ पंजीकरण प्रक्रिया भी तेजी से पूरी की जा रही है। उन्होंने मोहल्ला क्लीनिकों, मुफ्त दवाओं एवं जांच, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य बीमा योजना और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए बनाए जा रहे खेल मैदानों की जानकारी भी दी। जसवंत कौर ने कहा कि तीज पंजाबी संस्कृति और लोक परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे आयोजन महिलाओं को अपनी विरासत से जोड़ने के साथ एक मंच पर खुशियां साझा करने का अवसर देते हैं। आज की पीढ़ी को पंजाब के लोक रीति-रिवाजों, गिद्दा, बोलियों और लोकगीतों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। कार्यक्रम में पंजाब राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष राज लाली गिल, जिला योजना बोर्ड की अध्यक्ष इंजीनियर प्रभजोत कौर, मोहाली के मेयर सरबजीत सिंह समाना, रूपांजलि, खुशबू समाना, विभिन्न पार्षदों और गणमान्य लोगों ने भाग लिया।